Dr DHANVIR PRASAD
ASSISTANT PROFESSOR (G T)
C.M.J COLLEGE DONWARIHAT(KHUTONA)MADHUBANI
DEPT.OF.PSYCHOLOGY
L.N.M.U DARBHANGA
MOBILE NO:- 6206696451

TYPES OF CONCEPT

संप्रत्यय या प्रत्यय को निम्नलिखित चार भागों में विभाजित किया जा सकता है :-

1. सरल प्रत्यय :-

जब वस्तुओं को किसी एक निश्चित विशेषता के आधार पर एक वर्ग में रखा जाता है इसे सरल संप्रत्यय कहा जाता है ।इस प्रकार के प्रत्यय में वस्तु की कोई एक विशेषता प्रत्यय का आधार बनती है ।जैसे -त्रिभुज में तीन कोणों का होना एक प्रधान

विशेषता है ।इसलिए त्रिभुज के संप्रत्यय को सरल संप्रत्यय कहा जाएगा । मॉर्गन किंग एवं रॉबिन्सन के अनुसार , यदि एक सामान्य गुण से कोई प्रत्यय परिभाषित हो तो इसे हम सरल संप्रत्यय कहेंगे ।

2. समुच्चय बोधक संप्रत्यय :-

समुच्चय प्रत्यय में ऐसी वस्तुओं को एक वर्ग में रखा जाता है, जिनमें एक से अधिक विशेषताएँ सभी वस्तुओं में समान रूप से उपलब्ध होती है ।जैसे- वाउलीवौल टीम एक समुच्चय बोधक प्रत्यय है ।कारण यह कि प्रत्येक दल के खिलाड़ीयों की बर्दी समान होती है और खिलाड़ी एक ही दिशा में व्यवहार करके सामूहिक रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करना चाहते हैं ।मॉर्गन किंग और कॉबिंसन ने इस संप्रत्यय की चर्चा करते हुए कहा है कि- यदि कई विशेषताओं के आधार पर किसी प्रत्यय को परिभाषित किया जाए तो इसे समुच्चय बोधक संप्रत्यय कहेंगे ।

3. नियोजन संप्रत्यय :-

नियोजन प्रत्यय में वस्तुओं में कई भिन्नताओं के बावजूद कोई एक विशेषता इतनी प्रधान होती है, जिसके आधार पर उन्हें एक वर्ग में रखना सम्भव होता है ।जैसे – कौआ, चूहा हाथी आदि में अनेक भिन्नताएं हैं ।परन्तु उनमें प्राणी होने की विशेषता प्रधान है । मॉर्गन, किंग रॉबिन्सन ने इसकी व्याख्या करते हुए कहा है कि – नियोजन प्रत्यय उसे कहते हैं जिसमें तत्वों के बडे वर्ग का कम-से-कम एक तत्व उपस्थित हो ।

4. सम्बन्धात्मक प्रत्यय :-

वस्तुओं को उनकी समानता या भिन्नता की मात्रा के आधार पर एक वर्ग में रखा जाता है तो इसे सम्बन्धात्मक प्रत्यय कहा जाता है । जैसे- बडा-छोटा, भारी-हल्का आदि को सम्बन्धात्मक संप्रत्यय कहेंगे ।मॉर्गन, किंग एवं रॉबिन्सन के अनुसार- सम्बन्धात्मक संप्रत्यय उसे कहते हैं, जिसको तत्वों की विशेषताओं के आधार पर नहीं, बल्कि तत्वों

के सम्बन्धों के आधार पर परिभाषित किया जाता है ।